pan>

Title: Need to give arrears to sugarcane farmers.

श्री भगवंत मान (संगरूर): उपाध्यक्ष महोदय, इस बार गन्ने की फसल काफी अच्छी हुई, प्राकृतिक आपदा से बच गयी, लेकिन पहले गन्ना उत्पादक किसानों को उचित भाव नहीं मिला, उसके बाद जिस भाव पर फसल खरीदी गयी, प्राइवेट मिलों ने उनके गन्ने का पैसा नहीं दिया, उनका भुगतान नहीं हुआ। पिछले आठ-नौ महीनों से वे सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। माननीय उच्च न्यायालय ने भी आदेश दिया कि अगर प्राइवेट मिल्स पैसा नहीं देती तो उनको नीलाम करके पैसा दिया जाए। ऐसा ही धान के मामले में हुआ है, 7,000 करोड़ रुपये धान के किसानों और आढ़तियों का बकाया है। गन्ने की फसल का सबसे ज्यादा पैसा प्राइवेट मिल्स, जो फगवाड़ा की मित का पैसा रुका हुआ है। गन्ने की फसल ऐसी फसल है जो साल में एक ही बार होती है, इसलिए किसानों के पास कमाई का अन्य कोई साधन नहीं है। आपके माध्यम से मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि गन्ने की फसल का भुगतान जल्दी से जल्दी कराया जाए और धान के किसानों एवं आढ़तियों का भी भुगतान जल्दी कराया जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Bhagwant Mann.